

68
Г-70



ЯКОВ ГОРОДСКОЙ

ВОЕННОЕ ВРЕМЯ

СРПУ

B8
Г-70

ЯКОВ ГОРОДСКОЙ

ВОЕННОЕ ВРЕМЯ

СТИХИ



39600

ПРОВЕРЕНО
1984 г.

СОЮЗ СОВЕТСКИХ ПИСАТЕЛЕЙ УКРАИНЫ

1943

СОДЕРЖАНИЕ

Стр.

| | |
|--|----|
| Военное время | 3 |
| В день начала войны | 6 |
| Проводы | 8 |
| Разведчики | 11 |
| Про повара Алешу | 13 |
| Памятка | 18 |
| Канун | 20 |
| Памяти Бориса | 22 |
| Письмо в Орел | 24 |
| На Украине | 27 |
| Голос Москвы | 29 |
| Однополчанам | 31 |
| Стих Гафури | 33 |
| Новый год | 36 |
| Баллада о военном корреспонденте | 37 |
| Москва | 39 |
| Мать | 40 |
| Суд идет! | 43 |
| Сельмая симфония | 47 |
| Концерт | 49 |
| Паганини | 51 |
| Суворов | 53 |
| Комсомольский билет | 56 |
| Радио | 59 |

| | |
|-------------------------|-----|
| Молдавия | 68 |
| Киевляне | 65 |
| Вокзал | 68 |
| Украина | 69 |
| Украинский дневник | 72 |
| Письма | 84 |
| Река Белая | 86 |
| Другу и себе | 88 |
| Города затемнены | 90 |
| Июнь | 92 |
| Чувства | 94 |
| Россия | 95 |
| Севастополь | 97 |
| Воронеж | 99 |
| Волга | 100 |
| Сталинград | 101 |
| Слава | 102 |
| Харьков | 104 |
| Березень | 106 |
| Песня | 108 |
| Розыски | 111 |
| Я знаю — родина повсюду | 112 |
| Сайфи Кудашу | 113 |
| Предатель | 115 |
| Дни | 119 |
| Звезда | 121 |
| Утро | 122 |
| Тишина | 123 |
| Белорецк | 125 |

